पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी तथ्य चार्ट

थायरोक्सिन दवाई देने की विधि: परिवारों के लिए मार्गदर्शक जानकारी

थायराइड हार्मोन क्या होता है?

थायराइड ग्रंथि (ग्लैंड) दो प्रकार के थायराइड हार्मोन (T3: ट्राई-आयोडोथायरोनिन एवं T4: थायरोक्सिन) बनाती है । थायराइड हार्मोन हाइपोथायरायडिज्म के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है । यह हॉर्मोन लिवोथ्यरोकसिन (Levothyroxine) या सिनथ्रोईड (Synthroid) के रूप में उपलब्ध है । यह दवाई केवल गोली के रूप में उपलब्ध है और इसका कोई सिरप नहीं होता । बच्चे के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए यह दवाई नियमित रूप से लेनी अत्यावश्यक है ।

थायराइड हार्मोन देने की विधि क्या है?

थायराइड हार्मोन की गोली को दिन में एक बार दिया जाता है । यह ध्यान रहे कि दवाई देने का समय और तरीका रोज लगभग एक समान हो । एक साफ कटोरी में 1-2 चम्मच माँ का दूध (6 महीने की आयु से पहले) या पानी (6 महीने की आयु के बाद) लेकर गोली को भिगोए और मसले । यह घोल चम्मच या ड्रॉपर द्वारा बच्चे को दें । कटोरी में बची दवाई को थोड़ा और दूध डालकर दें ताकि बच्चे को पूरी खुराक मिले । कई सारी गोलियों को घोलकर और पीसकर एक साथ न रखें क्योंकि इससे यह दवाई अप्रभावी हो सकती है । इस दवाई का कोई स्वाद नहीं होता ।

बड़े बच्चे गोली को पानी के साथ निगल सकते हैं । थायराइड हार्मोन को खाली पेट लेने की आवश्यकता नहीं है । हालांकि यदि आप दवाई खाने के साथ लेते हैं, तो यह तरीका रोज लगभग एक समान होना जरूरी है । निम्न खाद्य पदार्थ और दवाइयां थायराइड हार्मोन के साथ नहीं लेनी चाहिए ताकि दवाई पूर्ण रुप से पच सके:

- सोय का दूध
- आयरन युक्त विटामिन
- कैल्शियम

आयरन और कैल्शियम की दवाई थायराइड हार्मोन के 3-4 घंटे बाद ही दें । नियमित रूप से दवाई देने के लिए पिल बॉक्स या कैलेंडर जैसे किसी तरीके का इस्तेमाल अक्सर फायदेमंद होता है । यदि एक खुराक भूल जाएं, तो याद आने पर वह खुराक तुरंत दे देनी चाहिए, परंतु कोशिश करें कि इस की नौबत ज्यादा न पड़े ।

थायराइड हार्मोन के दुष्प्रभाव क्या होते हैं?

थायराइड हार्मोन के कुछ ही दुष्प्रभाव हैं । वह दुष्प्रभाव आमतौर पर ज्यादा मात्रा में थायराइड हार्मोन लेने की वजह से होते हैं । यदि आपके बच्चे को हृदय गति का तेज होना, अत्यधिक पसीना आना, बेचैनी और हाथों में कंपकपि होना जैसे लक्षण महसूस हों, तो तुरंत अपने बाल चिकित्सक को संपर्क करें । नियमित रूप से थायराइड हार्मोन के स्तर मॉनिटर करने से दुष्प्रभाव से बचा जा सकता है ।

यह जानकारी पीडियाट्रिक एंडोक्राइन सोसाइटी के मरीज शिक्षा अनुभाग की सहायता से छपी है ।

PES PEDIATRIC ENDOCRINE SOCIETY